ॐ जय डिग्गी वाले नाथ हरे देवा अंजनी के लाल हरे

ॐ जय डिग्गी वाले नाथ हरे,
देवा अंजनी के लाल हरे,
पीलीबंगा धाम विराजत,
अनुपम रूप धरे,
ॐ जय डिग्गी वालें नाथ हरे।bd।

दक्षिण मूरत आपकी,
भक्तो के कष्ट हरे,
तन सिंदूरी चोला,
कुण्डल कर्ण पड़े,
ॐ जय डिग्गी वालें नाथ हरे।bd।

गल मोतियन की माला,
सर पर मुकुट धरे,
पूनम ज्योत में बाबा,
भिन्न भिन्न रूप धरे,
ॐ जय डिग्गी वालें नाथ हरे।bd।

कंचन थाल आरती,
कुंकुम दीप सजे,
सुर नर आरती उतारे,
जय जयकार करे,
ॐ जय डिग्गी वालें नाथ हरे।bd।

झालर शंख नगाड़ा,
सिर पर चंवर ढुरे,
नर नारी दरशन को,
आकर द्वार खड़े,
ॐ जय डिग्गी वालें नाथ हरे।bd।

मोदक खीर चूरमा,
नागर पान चढ़े,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सेवक भोग लगावत,
सेवा नित्य करे,
ॐ जय डिग्गी वालें नाथ हरे।bd।

श्री डिग्गी वाले बाबा की आरती,
जो जन नित्य करे,
कहत भरतदास स्वामी,
रटत तुलसीदास स्वामी,
सब विधि काज सरे,
ॐ जय डिग्गी वालें नाथ हरे।bd।

ॐ जय डिग्गी वाले नाथ हरे,
देवा अंजनी के लाल हरे,
पीलीबंगा धाम विराजत,
अनुपम रूप धरे,
ॐ जय डिग्गी वालें नाथ हरे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com